2

सच्चा मित्र एक शिक्षक की भाँति होता है। जिस प्रकार शिक्षक अपने छात्रों को संमार्ग की ओर ले जाता है। उसी प्रकार सच्चा मित्र अपने मित्र को पाप के गर्त में गिरने से बचाता है। मानव-जीवन बहुत रहस्यपूर्ण है। कभी-कभी जीवन में ऐसे अवसर उपस्थित हो जाते हैं, जब मनुष्य की धर्म-बुद्धि नष्ट हो जाती है और उसका मन तेज गति से पाप की ओर दौड़ता है। ऐसे समय में मित्र का उपदेश ही कल्याणकारी सिद्ध होता है। मित्र के उपदेश का जितना अधिक प्रभाव पड़ता है उतना किसी और का नहीं।

(i) सच्चा मित्र किसके समान होता है?

(क) शिक्षक के ◯ (ख) नेता के ◯ (ग) उपदेशक के ◯

(ii) सच्चा मित्र अपने मित्र को कहाँ गिरने से बचाता है?

(क) धर्म मार्ग में ◯ (ख) पाप के गर्त में ◯ (ग) गलत मार्ग में ◯

(iii) इनमें से कौन-से शब्द विलोम नहीं हैं?

(क) आगे-बाहर ◯ (ख) लाभ-हानि ◯ (ग) सुख-दुख ◯

(iv) कौन-सा शब्द पर्यायवाची नहीं है?

(क) सखा ◯ (ख) दोस्त ◯ (ग) पड़ोसी ◯

(v) किस शब्द में कोई प्रत्यय नहीं लगा है?

(क) कल्याणकारी ◯ (ख) आनंदपूर्ण ◯ (ग) दोस्त ◯